बालगोबिन भगत

(रामवृक्ष बेनीपुरी)

पाठ का सार

बालगोबिन भगत का बाह्य एवं आंतरिक व्यक्तित्व

बालगोबिन भगत लगभग साठ वर्ष के मँझौले कद के गोरे- चिट्टे व्यक्ति थे। वह कबीर को ही अपना 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते और उन्हीं के आदर्शों पर चलते थे। उनका एक बेटा और पतोहू (पुत्रवधू) थी। थोड़ी-सी खेतीबाड़ी और एक साफ़-सुथरा मकान था। उनका सबसे बड़ा गुण उनका मधुर कंठ और कबीर के प्रति अगाध श्रद्धा एवं प्रेम था।

बालगोबिन भगत का संगीत के प्रति अगाध प्रेम

आषाढ़ की रिमझिम में जब समूचा गाँव हल-बैल लेकर खेतों में निकल पड़ता, उस समय उनके कंठ से निकला संगीत का एक-एक शब्द सभी को मोहित कर देता। तब पता चलता है कि बालगोबिन भगत कीचड़ में लिथड़े हुए अपने खेतों में धान के पौधों की रोपनी कर रहे हैं। काम और संगीत की ऐसी संयुक्त साधना मिलनी बहुत मुश्किल होती है।

जब सारा संसार निस्तब्धता में सोया होता है, तब बालगोबिन भगत का संगीत सभी को जगा देता है। कार्तिक में बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते तथा गर्मियों की उमस भरी शाम में मित्र-मंडली के साथ बैठकर संगीत में लीन हो जाते थे।

सुख-दुःख से ऊपर बालगोबिन भगत का चरित्र

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखने को मिला, जब उनका पुत्र बीमारी के बाद चल बसा। भगत मृत पुत्र के सिरहाने एक चिराग जलाकर आसन जमाए हुए गीत गाए जा रहे हैं। पतोहू को भी रोना भूलकर उत्सव मनाने को कह रहे हैं, क्योंकि आत्मा परमात्मा के पास चली गई है, जिसका शोक मनाना उनकी दृष्टि में व्यर्थ है।

बालगोबिन भगत : समाज सुधारक के रूप में

बालगोबिन भगत कोई समाज सुधारक नहीं थे, किंतु अपने घर में उन्होंने समाज सुधारकों जैसा कार्य किया। अपनी पतोहू से अपने पुत्र की चिता को आग दिलाई। श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ भेजते हुए पुनर्विवाह कर देने के लिए कहा।

पतोहू के मायके न जाने की ज़िद करने और यह कहने पर भी कि मेरे जाने के बाद आपके खाने-पीने का क्या होगा, बालगोबिन भगत नहीं माने और वे अपने निर्णय पर अटल रहे।

बालगोबिन भगत का अंतिम समय

बालगोबिन भगत की मृत्यु भी उनके व्यक्तित्व के अनुरूप शांत तरीके से हुई। करीब तीस कोस चलकर वे गंगा स्नान को गए और वहाँ साधु-संन्यासियों की संगत में जमे रहे। वहाँ से लौटकर उन्हें बुखार आने लगा और अगले दिन भोर में भगत का गीत न सुनाई देने पर लोगों ने जाकर देखा तो वह स्वर्ग सिधार चुके थे।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. खेती बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे–साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखा झगड़ा मोले लेते। किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शोच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते–जो उनके घर से चार कोस दूरी पर था-एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)

(क) लेखक के अनुसार बालगोबिन भगत साधु क्यों थे?

(i) वे साधु की तरह दिखते थे
(ii) वे मोह-माया से दूर थे
(iii) वे सच्चे साधुओं की तरह उत्तम आचार-विचार रखते थे
(iv) वे किसी से लड़ते नहीं थे

(ख) बालगोबिन भगत का कौन-सा कार्य-व्यवहार लोगों के आश्चर्य का विषय था?

(i) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से आपने आचरण में पालन करना
(ii) गीत गाते रहना
(iii) किसी से झगड़ा न करना
(iv) अपना काम स्वयं करना

(ग) बालगोबिन भगत कबीर के ही आदर्शों पर चलते थे, क्योंकि

(i) कबीर भगवान का रूप थे
(ii) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे
(iii) कबीर उनके गाँव के मुखिया थे
(iv) कबीर उनके मित्र थे

(घ) बालगोबिन भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे सर्वप्रथम किसे भेंट कर देते?

(i) गरीबों में (ii) घर में
(iii) मंदिर में (iv) कबीरपंथी मठ में

(ङ) 'वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी।' यहाँ 'साहब' से क्या आशय है?

(i) गुरु से (ii) मुखिया से
(iii) कबीर से (iv) भगवान से

2. आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं है, ठंडी पुरवाई चल रही है। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा।

बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं, मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(क) गद्यांश के आधार पर बताइए कि भगत के संगीत के जादू का प्रभाव किस-किस पर पड़ता है?

(i) किसानों पर
(ii) आस-पास खेलते बच्चों पर
(iii) मेंड़ पर खड़ी औरतों पर
(iv) उपरोक्त सभी

(ख) बालगोबिन भगत के संगीत को क्या कहा गया है?

(i) रहस्य
(ii) जादू
(iii) संगीत
(iv) उपरोक्त सभी

(ग) भगत के संगीत को सुन हलवाहों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(i) हलवाहे गाने लगते हैं
(ii) झूम उठते हैं
(iii) हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) भगत अपने संगीत का प्रभाव बढ़ाने के लिए क्या करते थे?
(i) स्वर को ऊँचा करते थे
(ii) स्वर को नीचा करते थे
(iii) स्वर को ऊँचा-नीचा करते थे
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ङ) 'लिथड़े' तथा 'कीचड़' कैसे शब्द हैं?
(i) विदेशज (ii) देशज
(iii) तद्भव (iv) तत्सम

3. कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर! वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटाने वाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी, जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था।

खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे। कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब, चमक ही पड़ते।

(क) बालगोबिन भगत गाँव से कितनी दूर नदी-स्नान करने जाते थे?
(i) गाँव के पास ही (ii) दो मील दूर
(iii) एक मील दूर (iv) चार मील दूर

(ख) वातावरण को रहस्यमयी क्यों कहा गया है?
(i) कोहरे की ओट में स्पष्ट दिखाई न देने के कारण
(ii) स्पष्ट रूप से दिखाई देने के कारण
(iii) कँपकँपी सर्दी के कारण
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) गद्यांश के आधार पर बताइए कि रहस्यमयी वातावरण में बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे?
(i) कुश की चटाई पर बैठे थे
(ii) काली कमली ओढ़ी थी
(iii) पूरब दिशा की ओर मुँह करके गा रहे थे
(iv) उपरोक्त सभी

(घ) बालगोबिन भगत की प्रभाती कार्तिक मास से आरंभ होकर कब तक चलती थी?
(i) कार्तिक मास तक ही (ii) फागुन मास तक
(iii) चैत्र मास तक (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) 'मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था' में 'मैं' शब्द किसके किए प्रयुक्त हुआ है?
(i) लेखक के लिए (ii) बालगोबिन भगत के लिए
(iii) पतोहू के लिए (iv) इनमें से कोई नहीं

4. बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी ख़बर रखने की लोगों को कहाँ फ़ुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

बेटे के क्रियाकर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए!

(क) बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का उत्कर्ष किस दिन देखा गया?
(i) जिस दिन उनके पुत्र की मृत्यु हो गई थी
(ii) जिस दिन उनका पुत्र बीमार था
(iii) जिस दिन पतोहू का विवाह था
(iv) जिस दिन उन्हें पुरस्कार मिला

(ख) बालगोबिन भगत द्वारा अपने बेटे से अधिक प्यार करने का क्या कारण था?
(i) उनका बेटा सुस्त और कम बुद्धि वाला था
(ii) बेटा बहुत चालाक था
(iii) बेटा बहुत अहंकारी था
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) गद्यांश के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत की पतोहू कुशल प्रबंधिका कैसे थी?
(i) वह सभी कार्यों में निपुण थी
(ii) वह दुनियादारी से काफी हद तक निवृत्त थी
(iii) वह केवल अपना कार्य करती थी
(iv) सुस्त व आलसी प्रवृत्ति की थी

(घ) श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर बालगोबिन भगत ने पतोहू के साथ कैसा व्यवहार किया?
(i) घर से जाने को कहा
(ii) दूसरा विवाह करने का आदेश दिया
(iii) अपनी सेवा करने को कहा
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ङ) बालगोबिन भगत की पतोहू ने भाई के साथ उनके घर से न जाने के लिए क्या प्रार्थना की थी?
(i) उनके साथ रहकर उनकी सेवा करने की
(ii) वहाँ से चले जाने की
(iii) दूसरा विवाह कराने की
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बालगोबिन भगत थे
(क) एक कबीरपंथी साधु (ख) बौद्ध भिक्षु
(ग) साहब (घ) इनमें से कोई नहीं

2. बालगोबिन भगत के 'साहब' कौन थे?
(क) गुरु नानक (ख) दादू दयाल
(ग) कबीर (घ) रविदास

3. बालगोबिन भगत की सभी चीजें किनकी थीं?
(क) साहब की (ख) उनकी खुद की
(ग) मठ की (घ) उनके परिवार की

4. बालगोबिन भगत के सच्चे साधक कहलाने का क्या कारण था?
(क) आचरणगत शुद्धता के कारण
(ख) निर्मोही और संयमी होने के कारण
(ग) सच्चा होने के कारण
(घ) उपरोक्त सभी

5. बालगोबिन भगत अपनी जीविका कैसे चलाते थे?
(क) व्यापार करके
(ख) भीख माँगकर
(ग) मंदिर से जो मिलता था, उसे खा लेते थे
(घ) खेती-बाड़ी करके

6. बालगोबिन भगत की किस चीज पर लेखक मुग्ध था?
(क) उनके व्यक्तित्व पर (ख) उनके मधुर गान पर
(ग) उनकी फसल पर (घ) इनमें से कोई नहीं

7. बालगोबिन भगत के संगीत को सुनकर क्या होता था?
(क) बच्चे खेलते हुए झूम उठते थे
(ख) मेंड़ पर खड़ी औरतें गुनगुनाने लगती थीं
(ग) हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते थे
(घ) उपरोक्त सभी

8. बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ कब शुरू हो जाती थीं?
(क) आषाढ़ माह में (ख) फागुन माह में
(ग) कार्तिक माह में (घ) बैसाख माह में

9. बालगोबिन भगत सुबह-सुबह उठकर कहाँ गाने लग जाते थे?
(क) गाँव के बाहर ही पोखरे के ऊँचे भिंडे पर
(ख) गाँव से दो मील दूर जाकर
(ग) गाँव से शहर में आकर
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

10. भगत जी प्रतिवर्ष गंगा स्थान के लिए क्यों जाते थे?
(क) गंगा के प्रति अपार श्रद्धा व्यक्त करने
(ख) पद यात्रा करने के शौक को पूरा करने के लिए
(ग) संत समागम के लिए
(घ) गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त करने के लिए

11. बालगोबिन भगत का बेटा कैसा था?
(क) चतुर और बुद्धिमान (ख) सुंदर
(ग) सुस्त और बोदा-सा (घ) इनमें से कोई नहीं

12. बालगोबिन भगत का क्या मानना था?
(क) सुस्त और बोदे व्यक्तियों पर ज्यादा नजर व प्यार करना चाहिए
(ख) सुस्त और बोदे व्यक्तियों को घर से निकाल देना चाहिए
(ग) सुस्त और बोदे व्यक्ति किसी काम के नहीं होते
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

13. बालगोबिन भगत की पतोहू कैसी थी?
(क) तेजतर्रार और चतुर (ख) सुभग और सुशील
(ग) झगड़ालू प्रवृत्ति की (घ) बदसूरत और बेडौल

14. अपने बेटे के मरने पर भी बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे?
(क) सुबह-सुबह स्नान करने चले गए थे
(ख) जमीन पर आसन जमाकर गीत गाए चले जा रहे थे
(ग) बहुत दुःखी होकर रो रहे थे
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

15. बालगोबिन भगत अपनी पतोहू को रोने के बदले उत्सव मनाने को क्यों कह रहे थे?
(क) उनके अनुसार आत्मा परमात्मा के पास चली गई थी और यह आनंद की बात थी
(ख) वे अपने बेटे से प्यार नहीं करते थे
(ग) क्योंकि उनका बेटा सुस्त और अधिक बीमार रहता था
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

16. बालगोबिन भगत के बेटे को मुखाग्नि किसने दी?
(क) बालगोबिन भगत ने (ख) गाँव वालों ने
(ग) उनकी पतोहू ने (घ) इनमें से कोई नहीं

17. भगत जी द्वारा अपनी पुत्रवधू से बेटे की चिता को मुखाग्नि दिलवाना क्या सिद्ध करता है?
(क) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे
(ख) वे कबीर के आदर्शों के सच्चे साधक थे
(ग) वे स्त्री-पुरुष की समानता पर बल देते थे
(घ) उपरोक्त सभी

18. पतोहू के उसके भाई के घर न जाने पर बालगोबिन भगत ने क्या कहा?
(क) यहाँ तुम्हारा अब है ही कौन?
(ख) वे ही घर को छोड़कर चले जाएँगे
(ग) दुनिया वाले न जाने क्या-क्या कहेंगे?
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

19. 'बालगोबिन भगत' रचना के रचनाकार कौन हैं?
(क) यशपाल (ख) स्वयं प्रकाश
(ग) रामवृक्ष बेनीपुरी (घ) मन्नू भंडारी

उत्तरमाला

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. क (iii), ख (i), ग (iii), घ (iv), ङ (iii) *2. क (iv), ख (ii), ग (iii), घ (iii), ङ (ii)* *3. क (ii), ख (i), ग (iv), घ (ii), ङ (i)*
4. क (i), ख (i), ग (i), घ (ii), ङ (i)

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (क) *2. (ग)* *3. (क)* *4. (घ)* *5. (घ)* *6. (ख)* *7. (घ)* *8. (ग)* *9. (क)* *10. (ग)*
11. (ग) *12. (क)* *13. (ख)* *14. (ख)* *15. (क)* *16. (ग)* *17. (घ)* *18. (ख)* *19. (ग)*